

एकलव्य आवासीय स्कूल में छात्रों का हंगामा:विधायक-जिला पंचायत अध्यक्ष की गाड़ी रोककर प्रिंसिपल हटाने की मांग, कार्रवाई के लिए निर्देश

कोरबा/छुरीकला (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र स्थित शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय में छात्रों और अभिभावकों का आक्रोश फूट पड़ा। शाला प्रवेश उत्सव से लौट रहे कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल और जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह की गाड़ी रोककर उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अहमद खान को हटाने की मांग की। छात्रों ने भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं और विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

छात्रों का कहना है कि उन्हें रोजाना घंटिया और दूषित भोजन दिया जाता है। आरोप है कि बरसात के पानी से खाना बनाया जाता है और भोजन में कई बार कीड़े भी निकलते हैं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कथित तौर पर एक्सपायरी डेट वाले दूध के पैकेट और खाद्य सामग्री भी दिखाई, जिनकी तारीखें मिटाई गई थीं।

स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी उठाए सवाल
छात्रों ने बताया कि कई बच्चे खाज-खुजली और त्वचा संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं, लेकिन उन्हें समय पर उचित इलाज नहीं मिल रहा। आरोप यह भी लगाया गया कि छात्रों को एक्सपायरी डेट वाली दवाइयां दी जा रही हैं।

अभिभावकों ने भी जताई नाराजगी
अभिभावकों ने प्राचार्य की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि 240 छात्रों के अभिभावकों को पेरेंट्स मीटिंग के लिए अलग-अलग दिनों में बुलाया जाता है, जिससे उन्हें बार-बार विद्यालय आना पड़ता है। साथ ही छात्रों को बाहर से जरूरत का सामान लाने पर रोक लगाने का भी आरोप लगाया गया।



खनिज विभाग कोरबा की लगातार कार्यवाही से खनिज माफियाओं में मचा हड़कंप



सीतामढ़ी, बरमपुर, राताखार सहित अन्य स्थानों से अवैध खनिज परिवहन कर रहे 9 वाहन जब्त

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उत्खनन परिवहन व भण्डारण पर प्रतिबंध लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गठित खनिज उड़नदस्ता दलों द्वारा जिले के कई स्थानों पर छपा मारकर सघन जांच की गई। जिस दौरान सीतामढ़ी में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 2 ट्रैक्टर, बरमपुर में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 1 टीपर, राताखार में गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे 2 हाइवा व रेत का अवैध परिवहन कर रहे 1 टीपर, कुसमुंडा में ईट का अवैध परिवहन कर रहे 2 ट्रैक्टर तथा कटघोरा में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 1 ट्रैक्टर सहित कुल 9 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए जब्त कर सिटी कोतवाली थाना, सर्वमंगला पुलिस चौकी, कुसमुंडा थाना, दरी थाना व खनिज जांच चौकी, कटघोरा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रतिबंध सुनिश्चित करना, अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासकीय राजस्व की हानि को रोकना है। नियमों का उल्लंघन करने, अवैध उत्खनन एवं परिवहन तथा भण्डारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 और अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। विभाग ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध सघन अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किसानों का एग्रीस्टैक कार्य 15 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)। टीएल की बैठक में कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को तहसीलवार एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसानों की जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने एकल खाताधारक किसानों की प्रविष्टि 15 अगस्त तक पूर्ण करने तथा संयुक्त खाताधारकों सहित अन्य किसानों की प्रविष्टियों में भी तेजी लाने को कहा। उन्होंने बीबी राम जी योजना के अंतर्गत छूटे हुए गांवों में कार्यों की स्वीकृति प्रदान करते हुए संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) को कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।



शिक्षकों की मारपीट का मामला भी उठा

प्रदर्शन के दौरान अभिभावकों ने बताया कि हाल ही में विद्यालय के दो शिक्षकों के बीच हुए विवाद और मारपीट में कुछ छात्र भी घायल हो गए थे। इस मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई जा चुकी है।

विधायक ने दिए जांच के निर्देश
छात्रों और अभिभावकों की शिकायतें सुनने के बाद विधायक प्रेमचंद पटेल ने मौके पर मौजूद सहायक आयुक्त को पूरे मामले की जांच कर सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुविधाओं के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। डॉ. पवन सिंह ने भी मामले को गंभीर बताया और बच्चों की सुरक्षा और सुविधा पर किसी तरह का समझौता स्वीकार्य न होने की बात कही।

कलेक्टर ने जांच के लिए की चार सदस्यीय समिति गठित



कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह के

जांच के निर्देश के बाद कलेक्टर कुणाल दुदावत ने मामले को शीघ्र ही संज्ञान में लिया और बच्चों की शिकायत के दूसरे दिन जांच समिति गठित कर दिया।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुणाल दुदावत ने विकासखंड कटघोरा अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरीकला में विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं से संबंधित प्राप्त गंभीर शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए चार सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति को प्रकरण की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच कर एक सप्ताह के

भीतर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

गठित जांच समिति में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा, तहसीलदार कटघोरा, सहायक लेखा अधिकारी तथा कनिष्ठ लेखा अधिकारी (कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा) को सदस्य बनाया गया है। समिति विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों को प्रदत्त सुविधाओं तथा शिकायतों से जुड़े सभी बिंदुओं की विस्तृत जांच करेगी।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों के हितों एवं गुणवत्तापूर्ण

बच्चों को दिया जा रहा दूषित भोजन



छात्रों का कहना है कि उन्हें रोजाना घंटिया और दूषित भोजन दिया जाता है। आरोप है कि बरसात के पानी से खाना बनाया जाता है और भोजन में कई बार कीड़े भी निकलते हैं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कथित तौर पर एक्सपायरी डेट वाले दूध के पैकेट और खाद्य सामग्री भी दिखाई, जिनकी तारीखें मिटाई गई थीं।

सहायक आयुक्त की कार्यशैली पर भी सवाल!

एकलव्य आवासीय विद्यालय में बच्चों ने कुछ दिन पूर्व पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन सहायक आयुक्त को निरीक्षण करने का समय ही नहीं मिला। महीनों से बच्चों को दूषित भोजन दिया जा रहा, लेकिन सहायक आयुक्त को कुछ पता ही नहीं।



कलेक्टर के सख्त निर्देश:नल से पानी आने पर ही होगा जल जीवन मिशन के कार्यों का भुगतान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हो चुके कार्यों को संबंधित ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किया जाए तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) उनका क्रॉस वेरिफिकेशन करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि मार्च 2028 तक सभी लॉन्च कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिन योजनाओं में नल से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, उन्हीं कार्यों का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने ग्राम स्तर पर जल एवं स्वच्छता समितियों की नियमित बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

पाली के वनांचल क्षेत्र में योजना की दुर्गति

कोरबा जिले के पाली ब्लॉक के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के कार्यों की दुर्गति है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कोरबा के कार्यपालन अभियंता रमन उरांव को जानकारी देने के बाद भी साल भर से निरीक्षण करने का समय तक नहीं मिला। क्षेत्र में काम करने वाले ठेकेदार करोड़पति बन गए और इनके तथा अधिकारियों की मिलीभगत से जहां योजना का लाभ अधिकांश एवं गांवों को नहीं मिल पा रहा है, वहीं गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों से योजना प्रारंभ होने से पहले ही दम तोड़ रही है और ठेकेदार भी कार्यवाही के अभाव में मदमस्त हैं।

शाला प्रवेशोत्सव में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत

बच्चे मन लगाकर पढ़ें, अपने माता-पिता, विद्यालय और जिले का नाम करें रोशन-लखन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम विभाग के मंत्री लखनलाल देवांगन पीएमश्री सेजस, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बालको में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माथे पर तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता, विद्यालय तथा जिले का नाम ऊँचा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है और प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के शासकीय विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार बन रहे हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। युक्तियुक्तकरण से शिक्षकों की समस्या का समाधान हुआ है तथा सहायक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी जारी है। जिले में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से नए विद्यालय भवनों का निर्माण कराया जा रहा है और शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।



शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने बच्चों, जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों के साथ न्योता भोजन में भी सहभागिता की तथा विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं संस्कारों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में पार्षद सत्येंद्र दुबे, एलडरमैन श्रीमती मंदाकिनी त्रिपाठी, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जे.एन. दुबे, प्राचार्य नीलकंठ राठौर, प्रफुल्ल तिवारी सहित जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डीईओ को नोटिस जारी: छात्र सुरक्षा बीमा प्रभारी क्लर्क के खिलाफ होगी कड़ी कार्यवाही

मानदेय शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी की शिकायत पर प्रधानपाठकों की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

समय सीमा की बैठक में मंगलवार को कलेक्टर कुणाल दुदावत के तेवर सख्त दिखे। उन्होंने शिक्षा विभाग की समीक्षा में विभाग की लापरवाही देखी। शिक्षा विभाग के अंतर्गत स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों के वितरण एवं स्कूलवार स्कैनिंग कार्य की समीक्षा की। मानदेय शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी संबंधी प्राप्त शिकायतों के निराकरण में प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर ने संबंधित प्रधानपाठकों की वेतनवृद्धि रोकने तथा जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विकासखंड कोरबा एवं पोड़ी-उपरोड़ा में स्कैनिंग की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए 31 जुलाई तक सभी विकासखंडों में शत-प्रतिशत स्कैनिंग पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने वेंडर से समन्वय कर सरस्वती साइकिल



योजना के अंतर्गत बालिकाओं को शीघ्र साइकिल वितरण सुनिश्चित करने तथा स्कूली विद्यार्थियों को गणवेश का दूसरा सेट उपलब्ध कराने के लिए उच्च अधिकारियों से समन्वय करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पीएम पोषण गार्डन के लिए

विद्यालयों की जानकारी 31 जुलाई तक उपलब्ध कराने, अहाताविहीन विद्यालयों की सूची तैयार करने तथा संबंधित जनपद पंचायतों के सीईओ को सरपंच एवं सचिव के माध्यम से उसका सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अपार आईडी से वंचित विद्यार्थियों के लिए 1 अगस्त से 31 अगस्त तक विशेष शिविर आयोजित कर अपार आईडी

अधिकारियों-कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित हो

कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को कार्यालय में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने तथा कार्यालयीन समय का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखंड स्तर के कार्यालयों में भी सभी कर्मचारियों का ऑनबोर्डिंग कर ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ई-

बनाने तथा आधार एवं यू-डाइस से संबंधित ज़रूरतों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

छात्र सुरक्षा बीमा की राशि समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत के मामले में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के संबंधित शाखा प्रभारी के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

ऑफिस के माध्यम से ही फाइलों का प्रेषण एवं प्राप्त फाइलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की ऑफलाइन फाइल प्रेषित नहीं की जाएगी। साथ ही सभी अधिकारियों को ई-एचआरएमएस में ऑनबोर्ड होने के निर्देश भी दिए।

सरोकार

जेन-Z के सामने झुकी मोदी सरकार

12 साल में मोदी सरकार नरम और युवाओं के सामने झुकती नजर आई। 25 जुलाई को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा और छात्रों/युवाओं का सम्मान रखा गया। प्रहलाद जोशी को शिक्षा मंत्री का प्रभार सौंपा गया। 26 दिन से अनशन पर बैठे देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक और प्रखर समाजसेवक सोनम वांगचुक 23 जुलाई की आधी रात अपना अनशन खत्म कर दिया। केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा और जितेन्द्र सिंह ने वांगचुक का अनशन खत्म कराया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधि बनकर प्रधानमंत्री के संदेश को सुनाया और कहा कि आपकी सभी मांगें मानी जाएंगी, आपके लिए भी संदेश है, जिसके बाद वांगचुक ने अपना अनशन खत्म किया। दूसरे दिन पेपर लीक मामले में राज्यसभा में विधेयक लाया गया और कठोर कानून का प्रावधान रखा गया, जिसमें पेपर लीक के आरोपियों को 10 साल की सजा और 10 करोड़ रूपए जुर्माना का प्रावधान रखा गया। लोकसभा में बिल पास होने के बाद मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। विधेयक लाने के बाद पेपर लीक मामले में कड़ा प्रावधान रखा गया, ताकि कोई भी व्यक्ति पेपर लीक करने की हिम्मत नहीं करेगा। नए कानून को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। मोदी के सख्त निर्देश के बाद नीट पेपर लीक के सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें कड़ी सजा भी मिलेगी। धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। पहली बार 12 साल में मोदी वीडियो में काफी भावुक दिख रहे थे, उन्होंने वीडियो में युवाओं के नाम संदेश भेजा- फ्रेंड्स! पेपर लीक कोई मामली चीज नहीं है। छात्रों एवं उनके अभिभावकों के लिए काफी पीड़ादायक है। पेपर लीक मामले में पिछले ढाई महीने में कई कड़े कदम उठाए गए हैं। सभी आरोपियों को पकड़ा गया और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मोदी ने कहा मामलों की त्वरित सुनवाई और सख्त सजा सुनिश्चित करने के लिए फास्ट-ट्रेक कोर्ट स्थापना का निर्णय लिया गया है। परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है तथा संसद में सख्त कानून और संसोधन लाए जा रहे हैं। मोदी का वीडियो जारी होने के बाद पेपर लीक मामले में एनटीए के 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया और शुक्रवार को कैबिनेट की अहम बैठक बुलाई गई और कैबिनेट ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम 2024 में संशोधन को मंजूरी दी, जिसमें पेपर लीक करने वाले दोषियों को 10 साल की कड़ी जेल और 10 करोड़ का जुर्माना रखा गया। 26 दिवसीय अनशन पर बैठे पर्यावरण विद सोनम वांगचुक ने अनशन खत्म किया और शनिवार 25 जुलाई को धर्मेन्द्र प्रधान ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। कॉकरोचों ने भी धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के साथ अपना अनशन/हड़ताल समाप्त कर दिया और जंतर-मंतर में ही खुशियां मनाने लगे। कॉकरोच के मंच के बैनर तले हड़ताल/अनशन पर पहुंचे हजारों छात्रों/छात्राओं ने भी इसे जेड-जेन की विजय बताया। सीजेपी संयोजक अभिजीत दिपके ने धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा सहित तीनों मांगें पूरी होने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। जंतर-मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी का भी आंदोलन खत्म हुआ और अभिजीत दिपके ने कहा कि सरकार ने हमारी तीनों मांगें मान ली। प्रवाक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने भी बताया कि सरकार ने हमारी सभी मांगें मान ली है और हम अपना आंदोलन खत्म कर रहे हैं। जंतर-मंतर में राष्ट्रगान गाया गया और आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले तथा पेपर लीक के समय मौत हुई विद्यार्थियों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। तीनों मांगें पूर्ण होने के बाद अभिजीत दिपके ने मंच पर संविधान निर्माता बाबा साहब की तस्वीर के सामने नतमस्तक दिखे और कहा लोकतंत्र विजयी हुआ। धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद विश्व भर से मीडिया की प्रतिक्रिया भी सामने आई और बीबीसी ने धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को जेन जी की विजय बताया और कहा कि 12 साल में पहली बार मोदी सरकार युवाओं के सामने झुकती नजर आई।

-संपादक

प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम है नंदनवन जंगल सफारी

320.15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी नवाँ रायपुर में पर्यटकों के लिए कई प्रकार की रोमांचक सफारी राइड्स उपलब्ध हैं, जिनमें शाकाहारी सफारी, टाइगर सफारी, भालू सफारी और लायन सफारी प्रमुख हैं। इसके अलावा यहाँ एक छोटा चिड़ियाघर (नंदनवन जू) भी है। **मिनी जू से जंगल सफारी तक का सफर**
नंदनवन की शुरुआत वर्ष 1979 में रायपुर में ‘नंदनवन मिनी जू’ के रूप में हुई थी। यह वन्यजीवों के रेस्क्यू और राहत केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। वर्ष 2008 में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने इसे आधिकारिक रूप से ‘मिनी जू’ की मान्यता दी। इसके बाद नवा रायपुर में आधुनिक और विशाल जंगल सफारी विकसित करने के लिए वर्ष 2012 से 2015 के बीच 320.15 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई। 1 नवंबर 2016 को छत्तीसगढ़ राज्य के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नंदनवन जंगल सफारी का उद्घाटन किया। **वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा पर विशेष जोर**
नंदनवन जंगल सफारी का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों का संरक्षण, दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण एवं प्रजनन और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यहां वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप सुरक्षित और तनावमुक्त आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीवों तथा जैव विविधता के महत्व की जानकारी देने के लिए यहां विभिन्न पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। **पांच प्रमुख सफारी जोन हैं आकर्षण का केंद्र**
नंदनवन जंगल सफारी को वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग जोन में विकसित किया गया है। **शाकाहारी सफारी**
30.89 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस जोन में चीतल, सांभर, नीलगाय और काला हिरण जैसे वन्यजीव प्राकृतिक वातावरण में विचरण करते हैं। **भालू सफारी**
20.03 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित भालू सफारी



छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित नंदनवन जंगल सफारी राज्य के प्रमुख पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में शामिल है। 320.15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह विशाल परिसर प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में वन्यजीवों को देखने और उनके बारे में जानने का अवसर मिलता है।

पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां भालुओं को प्राकृतिक वातावरण में देखने का अवसर मिलता है। **बाघ सफारी**
20.04 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली बाघ सफारी में पर्यटक देश के राष्ट्रीय पशु बाघ को करीब से देखने का रोमांचक अनुभव प्राप्त करते हैं। **सिंह सफारी**
20.01 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित सिंह सफारी में एशियाई शेरों का संरक्षण किया जा रहा है। **जू जोन**
50 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जू जोन में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी, सरीसृप और अन्य वन्यजीव आकर्षण का केंद्र हैं। **दुर्लभ और विशेष वन्यजीवों का भी संरक्षण**
नंदनवन जंगल सफारी में विभिन्न चिड़ियाघरों के साथ पशु विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से कई

दुर्लभ और विशेष वन्यजीवों को लाया गया है। यहां सफेद बाघ, दरियाई घोड़ा, घड़ियाल और क्लोन जंगली भैंसा ‘दीपाशा’ जैसे वन्यजीव पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण हैं। **जैव विविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता का केंद्र**
नंदनवन जंगल सफारी में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, विश्व बाघ दिवस और वन्यजीव सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से लोगों, विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। **रायपुर से आसान पहुंच**
नंदनवन जंगल सफारी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित है। यह स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, रायपुर से



देश-विदेश से पहुंचते हैं पर्यटक



वनमंडलाधिकारी थेजस शेखर ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप की मंशानुरूप नंदनवन जंगल सफारी पर्यटकों के बीच लगातार लोकप्रिय हो रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2018-19 में ही देश-विदेश से 1 लाख 74 हजार 611, वर्ष 2019-20 में 1 लाख 60 हजार 767, वर्ष 2020-21 में 1 लाख 60 हजार 32, वर्ष 2021-22 में 1 लाख 73 हजार 72, वर्ष 2022-23 में 2 लाख 77 हजार 881, वर्ष 2023-24 में 2 लाख 62 हजार 486, वर्ष 2024-25 में 2 लाख 70 हजार 942, वर्ष 2025-26 में 3 लाख 24 हजार 785, से अधिक पर्यटकों ने जंगल सफारी का भ्रमण किया। यह आंकड़ा इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

लगभग 15 किलोमीटर और रायपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जंगल सफारी प्रत्येक सोमवार को बंद रहती है। **वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा का ऐसा अनूठा केंद्र**
नंदनवन जंगल सफारी आज छत्तीसगढ़ में पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा का ऐसा अनूठा केंद्र बन चुका है, जहां प्रकृति के करीब पहुंचकर वन्यजीवों को देखने के साथ-साथ उनके संरक्षण का संदेश भी मिलता है। जर्स।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर हो फोकस

किसी भी देश और राज्य का विकास तभी संभव है, जब आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए प्राथमिकता शिक्षा और स्वास्थ्य पर हो। छत्तीसगढ़ की बात करें, तो शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में हमारा राज्य अभी भी कोसों दूर है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था ऐसी हो, कि आम लोगों से लेकर बड़े-बड़े नीकरशाह भी अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाने मजबूर हो जाएं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज भी छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था बद से बदतर हो चली है। सरकारी स्कूलों में जहां संसाधन का अभाव दिखता है, वहीं आज भी पांच-पांच कक्षाओं को एक गुरुजी पढ़ा रहे हैं। कल्पना करिए कि हमारे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था किस कदर सिस्टम के आगे बदहाल है। आईएसएस अधिकारी रहे ओ पी चौधरी के मंत्री बनने के बाद छत्तीसगढ़ की जनता को आस थी कि प्रदेश का कुछ अच्छा होने वाला है। सौभाग्य से उन्हें वित्तमंत्री का पद भी दिया गया, लेकिन सिस्टम में कुछ भी बदलाव देखने को नहीं मिला और सिस्टम पहले से भी बद से बदतर होता गया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार से ही आदिवासी बाहुल्य छत्तीसगढ़ का कार्याकल्प संभव है। शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव जरूरी है। यह तो सौभाग्य की बात है कि केन्द्र के कारण कई जिलों में एम्स की स्थापना हो रही है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति आ रही है, लेकिन प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था आज भी बदहाल है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ गांव-गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोल दिए गए, बिल्डिंग उपलब्ध करा दिए गए, लेकिन चिकित्सकों एवं स्टाफ की कमी से स्वास्थ्य के क्षेत्र में तस्वीर आज भी धूंधली है और आम जनता को इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है। कहीं चिकित्सक गायब, तो कहीं स्टाफ की कमी, तो कहीं दवाईयों का टोटा ने स्वास्थ्य सिस्टम को बदहाल कर दिया है। जब तक देश या प्रदेश स्वस्थ और शिक्षित नहीं होगा, जनता लुटती रहेगी और लोगों का जीवन सुलभ नहीं बन पाएगा। सरकारी विद्यालयों और सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों को जब तक सेटअप के आधार पर अपडेट नहीं किया जाएगा, तब तक सिस्टम के आगे जनता बेबस नजर आएगी।

संपादक

भारत के भाग्य विधाता-युवा

नीट सहित कई पेपर पिछले महीनों में लीक हुए। विद्यार्थी परेशान, अभिभावक परेशान और देश के युवा परेशान नजर आए। जब कोई बात सर से ऊपर उठ जाए और धैर्य खोने लगे तब आक्रांत जन्म लेता है और आरपार की लड़ाई के लिए युवा तैयार हो जाते हैं। युवा जब अपनी औकात में आते हैं तो आंधी आती है, तूफान आता है और फिर चारों तरफ धैर्य का बांध टूटता है। युवाओं का जब सेलाब आता है, तो यह देश के लिए ऐसी तबाही लाता है, जिसे समय रहते रोक नहीं गया, तो देश को भी नुकसान उठाना पड़ता है। जिस युवा शक्ति ने मोदी को गद्दी पर बिठाया, आज वही युवा शक्ति सड़क पर दिखी। मंच भले ही कुछ भी हो, लेकिन कॉकरोचों ने युवाओं को अपनी ओर खींचने में कामयाब हुआ। पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर में आंदोलन प्रारंभ किया और जब विश्व विख्यात देश के पर्यावरण विद एवं वैज्ञानिक सोनम वांगचुक ने कॉकरोचों के मंच पर पहुंचकर अनशन प्रारंभ किया, तो देश भी सोचने पर मजबूर हो गया, फिर क्या था, इस मंच पर युवा शक्ति का जो जमावड़ा दिखा, वह सत्ता को हिला देने वाला था। 12 साल के मोदी सरकार में इस तरह का मोदी विरोधी लहर ने देश को चिंतन करने पर मजबूर कर दिया। सोनम वांगचुक ने युवाओं के लिए एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर लाखों युवाओं के स्वर्णिम भविष्य के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर 26 दिन तक अन्न-जल त्याग कर युवाओं के लिए बलिदान देने के लिए तैयार थे, लेकिन देश को ऐसे पर्यावरण विद और वैज्ञानिक को आवश्यकता है। देश के दबाव में मोदी सरकार को संवाद के लिए तैयार होना पड़ा और सीजेपी को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। कॉकरोच मंच पर आकर संवाद करने की जिद पर अड़े रहे, लेकिन बाद में केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा के निवास स्थान पर संवाद हुआ और कॉकरोच के प्रतिनिधियों ने सरकार के सामने तीन मांगें रखीं। शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को हर हाल में

इस्तीफा देना होगा, कॉकरोचों के खिलाफ एफआईआर वापस करनी होगी और मुआवजा मिले। सरकार ने तीनों मांगें मानी और कॉकरोचों ने अनशन और आंदोलन खत्म किया। उधर इस्तीफे के बाद शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि पहले दिन से ही उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ली थी, लेकिन वे 10 दिन से परेशान था और 25 जुलाई को अपनी इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया। उन्होंने इस्तीफा देने के बाद युवाओं को संदेश भी दिया और कहा कि देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं और पहले दिन से ही पेपर लीक की जिम्मेदारी और परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा संकल्प था कि किसी भी मेधावी विद्यार्थी की सम्भावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे। जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की जिससे मन व्यथित हुआ। बच्चे पढ़ाई पर फोकस करें और पेचीदगियों पर न फंसे, अपने कैरियर पर फोकस करें, यह विचार कर मैं अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को भेज दिया हूं और आपकी मांगें पूर्ण हुईं। **संवाद से समाधान**
कोई भी विकट परिस्थिति आ जाए और कोई भी काम असंभव सा लगे, सभी का समाधान संभव है। आज परिस्थिति ऐसी थी, कि सरकार के सामने सिर्फ एक ही विकल्प था-संवाद से समाधान। कॉकरोचों के आंदोलन के 26वें दिन सोनम वांगचुक ने केन्द्रीय मंत्रियों के सामने अपना अनशन तोड़ा और इसी दिन दोपहर के बाद देश के कई हिस्सों में बच्चों का प्रदर्शन हिंसक हो गया। बिहार में सबसे ज्यादा हिंसक घटनाएं घटी और बच्चों के आक्रोश को देखते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी सरकार को आगाह किया कि शीघ्र ही समस्या का समाधान निकालें। देशभर में बच्चों की हिंसक घटनाओं को देखते हुए शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपना इस्तीफा सौंपा और



जंतर-मंतर से सभी आंदोलनकारी अपने-अपने घर लौट गए और दिल्ली फिर शांत हुई। लोकतंत्र में आंदोलन जायज, लेकिन हिंसक घटनाएं स्वीकार्य नहीं युवा देश के भाग्यविधाता हैं और अपनी बात रखने के लिए लोकतंत्र में आंदोलन करने की स्वतंत्रता है और अपनी बात को सरकार तक पहुंचाने के लिए शांतिमय आंदोलन करना जायज है, लेकिन युवाओं को देशहित का भी ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि देश की सुरक्षा और भविष्य उन्हीं के हाथ जाने वाला है। हिंसक घटनाओं से युवाओं, पुलिसकर्मियों, सुरक्षा सिपाहियों की जान जहां आफत में पड़ सकती है, वहीं राष्ट्र को भी भारी नुकसान उठाना पड़ता है और उसका पुनर्निर्माण के लिए अरबों-खरबों लग जाते हैं और हिंसक घटनाओं से देश पीछे चला जाता है। सरकार को भी युवाओं की भावनाओं को शीघ्र ही समझना होगा, ताकि युवाओं का आक्रोश बढ़े ही नहीं और शांतिहंम से समस्या का निदान हो जाए। 25 जुलाई को देश के कई हिस्सों में हिंसक घटनाएं हुई, कई जगह आगजनी हुई और राष्ट्र को आर्थिक नुकसान सहना पड़ा। जेन-जी के इस आंदोलन में सरकार को झुकना ही पड़ा और युवाओं की मांगें पूरी हुई। युवा भारत के भाग्य विधाता बनें, न कि राष्ट्र विध्वंसक। सरकार उदार बने और जनता की आवाज को सुने। संवाद ही एक मात्र जोश और अनुभव के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी है और संवाद से न तो सरकार को भागना चाहिए और न ही जेन-जी को। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और सबसे सुंदर देश कहा जाता है, इस छवि को बरकरार रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध दिखाई दे, तो जेन-जी कभी आक्रोशित नहीं होंगे।



डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241 50282



एजेंसी।

आजकल ज्वेलरी की दुनिया में ब्रेसलेट मंगलसूत्र का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। यह ट्रेडिशनल मंगलसूत्र का मॉडर्न रूप है, जिसे महिलाएं रोजाना भी आसानी से पहन सकती हैं। यह देखने में स्टाइलिश होने के साथ-साथ काफी हल्का और आरामदायक भी होता है।

अगर आप ऐसा मंगलसूत्र ढूंढ रही हैं जो एथनिक और वेस्टर्न दोनों आउटफिट्स के साथ अच्छा लगे, तो ब्रेसलेट मंगलसूत्र डिजाइन आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

डायमंड ब्रेसलेट मंगलसूत्र डिजाइन



अगर आपको एलिंगेंट और क्लासी ज्वेलरी पसंद है, तो डायमंड ब्रेसलेट मंगलसूत्र एक शानदार ऑप्शन है। इसमें काले मोतियों के साथ छोटे-छोटे डायमंड लगाए जाते हैं, जो इसे बेहद खूबसूरत लुक देते हैं। ऑफिस, पार्टी या किसी खास मौके पर यह डिजाइन आसानी से कैरी किया जा सकता है.



एयरपोर्ट पर सरकारी नौकरी पाने का मौका, 180000 तक मिलेगी सैलरी



अगर आप भी एयरपोर्ट सेक्टर में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने मैनेजर और जूनियर एग्जीक्यूटिव के लिए कुल 389 पदों के लिए वैकेंसी नोटिफिकेशन जारी किया है। इस वैकेंसी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

AAI Recruitment Salary and Eligibility जानें योग्यता और सैलरी

हर पद के लिए एजुकेशनल क्वालिफिकेशन अलग-अलग तय की गई है। कैंडिडेट्स एप्लीकेशन से पहले जरूरी डॉक्यूमेंट्स साथ रखें जैसे डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, ID प्रूफ। पूरी जानकारी के लिए ऑफिशियल वेबसाइट-aai.aero पर जाकर ऑफिशियल नोटिफिकेशन को ध्यान से पढ़ें।

अगर सैलरी की बात करें तो मैनेजर ग्रुप-A को पे लेवल E-3 के तहत 60,000 से 1,80,000 रुपये तक सैलरी मिलेगी। वहीं, जूनियर एग्जीक्यूटिव ग्रुप-B के लिए पे लेवल E-1 के अनुसार 40,000 से

रु.17999 में आया iQOO का नया फोन, मिलेगी 6500mAh बैटरी और 50MP कैमरा

iQOO Z11 Lite भारत में लॉन्च हो गया है। फोन में 6500mAh बैटरी, MediaTek प्रोसेसर और 50MP कैमरा जैसे फीचर्स मिलते हैं।

अगर आप 20,000 रुपये से कम बजट में लंबी बैटरी लाइफ और 5G स्मार्टफोन खरीदने की सोच रहे हैं, तो iQOO Z11 Lite आपके लिए नया ऑप्शन हो सकता है। iQOO ने भारत में अपना नया बजट 5G स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। यह फोन बड़ी 6500mAh बैटरी, 120Hz रिफ्रेश रेट डिस्प्ले, MediaTek प्रोसेसर और 50MP कैमरा जैसे फीचर्स के साथ आता है।

नई दुल्हनों से लेकर वर्किंग वुमन तक, हर किसी की पहली पसंद बने ये ब्रेसलेट मंगलसूत्र

मिनिमल ब्लैक बीड्स ब्रेसलेट डिजाइन

जो महिलाएं ज्यादा भारी ज्वेलरी



पहनना पसंद नहीं करतीं, उनके लिए मिनिमल ब्लैक बीड्स (Bracelet Mangalsutra Designs) वाला ब्रेसलेट मंगलसूत्र परफेक्ट है। इसमें पतली चेन, कम काले मोती और छोटा सा पेंडेंट होता है, जिससे यह बेहद एलिंगेंट नजर आता है।

क्यों बढ़ रही है ब्रेसलेट मंगलसूत्र की लोकप्रियता ?

आज की महिलाएं ऐसी ज्वेलरी पसंद करती हैं जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी हो। ब्रेसलेट मंगलसूत्र इसी जरूरत को पूरा करता है। यह ट्रेडिशनल मंगलसूत्र की अहमियत को बनाए रखते हुए मॉडर्न फैशन का भी हिस्सा बन चुका है।

यही वजह है कि यह डिजाइन नई दुल्हनों से लेकर वर्किंग महिलाओं तक सभी की पहली पसंद बनता जा रहा है।

हार्ट शेष ब्रेसलेट मंगलसूत्र



हार्ट शेष डिजाइन हमेशा से प्यार और रिश्ते की खूबसूरती का प्रतीक माना जाता है। हार्ट पेंडेंट वाला ब्रेसलेट मंगलसूत्र सिंपल होने के साथ-साथ काफी स्टाइलिश भी दिखता है। अगर आप रोज पहनने के लिए कोई हल्का डिजाइन चाहती हैं, तो यह अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मैनेजर और जूनियर एग्जीक्यूटिव पदों पर वैकेंसी के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके लिए 8 अगस्त से 7 सितंबर 2026 तक अप्लाई कर सकते हैं।

मैनेजर (फायर सर्विसेज)	14
मैनेजर (ऑपरेशंस)	28
मैनेजर (कमर्शियल)	9
मैनेजर (कॉर्पोरेट प्लानिंग एंड मैनेजमेंट सर्विसेज)	1
मैनेजर (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस)	2
जूनियर एग्जीक्यूटिव (फाइनेंस)	36
जूनियर एग्जीक्यूटिव (लॉ)	6
जूनियर एग्जीक्यूटिव (ऑपरेशंस)	79
जूनियर एग्जीक्यूटिव (सर्वे एंड कांटीग्राफी)	8

AAI Recruitment 2026: कैसे करें अप्लाई

AAI की ऑफिशियल वेबसाइट aai.aero पर जाएं।

होम पेज पर वैकेंसी से जुड़े लिंक पर क्लिक करें।

पहले रजिस्ट्रेशन करें और फिर लॉगिन करें।

एप्लीकेशन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी ध्यान से भरें।

डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फीस भरें (if applicable)।

फॉर्म सबमिट करने के बाद उसका प्रिंटआउट जरूर रखे ताकि आगे परेशानी न हो।

पिंक टैक्स क्या है ?

जानें पिंक टैक्स क्या होता है और कैसे यह महिलाओं के लिए रेजर, शैंपू, कपड़ों और सेवाओं को पुरुषों से महंगा बनाता है।

कंपनियां ऐसा क्यों करती हैं ?

आपने भी कभी न कभी यह जरूर देखा होगा कि एक ही कंपनी का रेजर, शैंपू, परफ्यूम या डियोडोरेंट महिलाओं के लिए महंगा मिलता है, जबकि पुरुषों वाला प्रोडक्ट सस्ता होता है। इतना ही नहीं, कई जगहों पर हेयरकट, ड्राई क्लीनिंग और दूसरी सेवाओं के लिए भी महिलाओं से ज्यादा पैसे लिए जाते हैं। इस अतिरिक्त कीमत को ही पिंक टैक्स (Pink Tax) कहा जाता है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि पिंक टैक्स कोई सरकारी टैक्स नहीं है। यह बाजार में अपनाई जाने वाली ऐसी प्राइसिंग है, जिसमें महिलाओं के लिए बनाए गए कुछ सामान और सेवाओं की कीमत



पुरुषों के मुकाबले ज्यादा रखी जाती है। कई बार दोनों प्रोडक्ट का इस्तेमाल और गुणवत्ता लगभग एक जैसी होती है, लेकिन महिलाओं वाले प्रोडक्ट की पैकेजिंग, रंग या खुशबू अलग होने की वजह से उसकी कीमत बढ़ा दी जाती है।

किन चीजों में देखने को मिलता है पिंक टैक्स ?

रोजमर्रा की कई चीजों में इसका असर दिखाई देता है. जैसे- रेजर, शैंपू, साबुन और डियोडोरेंट, परफ्यूम और ब्यूटी प्रोडक्ट, कुछ

कपड़े और फुटवियर, सैलून में हेयरकट और दूसरी सर्विस, ड्राई क्लीनिंग की कुछ सेवाएं, लड़कियों के लिए बनाए गए खिलौने और साइकिल।

कंपनियां ऐसा क्यों करती हैं ?

कई कंपनियों का कहना होता है कि महिलाओं के प्रोडक्ट में अलग डिजाइन, पैकेजिंग या खुशबू दी जाती है, इसलिए उनकी कीमत ज्यादा होती है। हालांकि, कई मामलों में कीमत का अंतर सिर्फ मार्केटिंग की वजह से होता है।

भाई-बहनों के बीच की कड़वाहट दूर कर रहा है सिबलिंग थैरेपी

भाई-बहन के रिश्तों में दूरियां आ गई हैं ? सिबलिंग थैरेपी के जरिए समझें कैसे पाएं सुलह और रिश्ते को बनाएं मजबूत

भाई-बहन का रिश्ता बचपन से लेकर जीवन के हर पड़ाव तक साथ निभाने वाला रिश्ता माना जाता है। बचपन की यादें, साथ बिताए पल और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनना इस रिश्ते को खास बनाते हैं, लेकिन कई बार गलतफहमियां, पुरानी नाराजगी, आपसी तुलना या परिवार से जुड़े विवाद रिश्तों में दूरी पैदा कर देते हैं। ऐसे में सिबलिंग थैरेपी रिश्तों को सुधारने का एक बेहतर विकल्प बनकर सामने आई है।

क्या होती है सिबलिंग थैरेपी ?

thefeelingspace के अनुसार सिबलिंग थैरेपी, फैमिली थैरेपी का ही एक हिस्सा है। इसमें भाई-बहनों के बीच होने वाली परेशानियों को समझने और उन्हें दूर करने की कोशिश की जाती है। इस दौरान एक प्रशिक्षित थैरेपिस्ट दोनों भाई-बहनों को अपनी बात खुलकर रखने का मौका देता है।

इस थैरेपी का मकसद किसी एक को सही या गलत साबित करना नहीं होता, बल्कि दोनों के बीच बेहतर समझ और बातचीत को बढ़ाना होता है। थैरेपिस्ट रिश्ते में तनाव की वजह को समझने में मदद करता है और समाधान निकालने का रास्ता दिखाता है।

किन परिस्थितियों में ली जा सकती है मदद ?

कई बार बचपन की कोई घटना, माता-पिता का किसी एक बच्चे को ज्यादा महत्व देना, संपत्ति से जुड़े विवाद या परिवार की जिम्मेदारियों को लेकर मतभेद, रिश्ते खराब कर देते हैं। इसके अलावा



माता-पिता के अलगाव, परिवार में बदलाव या सौतेले रिश्तों की वजह से भी भाई-बहनों के बीच तनाव बढ़ सकता है। ऐसे मामलों में सिबलिंग थैरेपी मददगार हो सकती है।

सिबलिंग थैरेपी के फायदे

इस थैरेपी का सबसे बड़ा यह फायदा है कि भाई-बहन एक-दूसरे की बात बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। कई बार मन में जमा पुरानी शिकायतें और भावनाएं खुलकर सामने नहीं आ पातीं। थैरेपी के जरिए उन्हें साझा करने का सुरक्षित माहौल मिलता है।

इसके अलावा यह एक-दूसरे के नजरिए को समझने, गुस्से को नियंत्रित करने और रिश्ते में भरोसा वापस लाने में मदद करती है। धीरे-धीरे बातचीत बेहतर होने लगती है और परिवार का माहौल भी सकारात्मक बन सकता है।

कैसे होती है सिबलिंग थैरेपी ?

इस दौरान थैरेपिस्ट बातचीत के जरिए समस्याओं को समझता है। भाई-बहनों को अपनी भावनाएं सही तरीके से व्यक्त करने और सामने वाले की बात सुनने के तरीके सिखाए जाते हैं। इसके साथ ही कुछ छोटे-छोटे अभ्यास भी दिए जा सकते हैं, जिन्हें घर पर अपनाकर रिश्ते को मजबूत किया जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर दोनों भाई-बहन रिश्ते को सुधारने की इच्छा रखते हैं, तो सिबलिंग थैरेपी वर्षों पुरानी दूरियों को कम करने में मदद कर सकती है। यह रिश्ते में फिर से प्यार, सम्मान और विश्वास बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

एजेंसी।

NEET UG रिजल्ट के बाद अब काउंसलिंग की बारी, जानें पूरा एडमिशन प्रोसेस और जरूरी डॉक्यूमेंट्स



पास होना ही नहीं बल्कि काउंसलिंग की प्रक्रियाओं से भी गुजरना होता है।

NEET UG Counselling Date: कब से होगी नीट की काउंसलिंग शुरू ?

हालांकि NEET UG 2026 की काउंसलिंग कब से शुरू होगी इसकी जानकारी अभी NTA की ओर से आधिकारिक तौर पर नहीं दी गई है। संभवतः यह प्रोसेस जुलाई 2026 के अंत या अगस्त 2026 के शुरूआती सप्ताह में शुरू होने की

से स्कॉलिंग और गेमिंग का एक्सपीरियंस पहले से ज्यादा स्मूद मिलेगा।

प्रोसेसर: फोन में MediaTek Dimensity 6300 5G प्रोसेसर दिया गया है। इसके साथ LPDDR4X RAM और FS 2.2 स्टोरेज मिलती है। फोन में मैक्सिमम 6GB RAM और 256GB इंटरनल स्टोरेज का ऑप्शन मिलता है। वहीं, माइक्रो SD कार्ड की मदद से स्टोरेज को 2TB तक बढ़ाया जा सकता है।

साफ्टवेयर: यह स्मार्टफोन Android 16 पर बेस्ड Origin OS 6.0 पर चलता है। इसके अलावा इसमें IP65 रेटिंग भी दी गई है, जो इसे धूल और पानी की हल्की छींटों से सुरक्षित रखने में मदद करती है। यह पिछले मॉडल iQOO Z10 Lite के IP64 रेटिंग से बेहतर है।

बैटरी: इस स्मार्टफोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 6500mAh बैटरी है। एजेंसी।

जानिए क्यों महिलाओं की शॉपिंग पड़ती है महंगी

महिलाओं के लिए अलग ब्रांडिंग और विज्ञापन किए जाते हैं, जिससे लोग इन प्रोडक्ट्स को ज्यादा कीमत पर भी खरीद लेते हैं।

महिलाओं की जेब पर पड़ता है असर

पिंक टैक्स का असर सिर्फ ब्यूटी प्रोडक्ट तक सीमित नहीं है। फैशन, स्किन केयर और कई दूसरी सेवाओं पर भी महिलाओं को ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ऐसे में छोटी-छोटी अतिरिक्त कीमतें मिलकर हर महीने और साल में बड़ा खर्च बन जाती हैं।

अगर आप खरीदारी करते समय अलग-अलग विकल्पों की कीमत और गुणवत्ता की तुलना करें, तो कई बार बिना जरूरत ज्यादा पैसे खर्च करने से बच सकती हैं। इसलिए किसी भी प्रोडक्ट को खरीदने से पहले सिर्फ पैकेजिंग या For Women लिखे होने के बजाय उसकी गुणवत्ता और कीमत पर भी ध्यान देना जरूरी है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केंद्र

ग्राठिया, जेड़ों का दर्द, साइटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नज़ल, ज़ैस, खाज, सुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिंकोरियो आदि।

Dr. Yugesh Sharma

M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्पर्श रत्ने अभिराष्ट्र...

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शेप नं. 07 अल्को काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.प्र.) मो.: 9302358945

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केंद्र

ग्राठिया, जेड़ों का दर्द, साइटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नज़ल, ज़ैस, खाज, सुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिंकोरियो आदि।

Dr. Yugesh Sharma

M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्पर्श रत्ने अभिराष्ट्र...

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शेप नं. 07 अल्को काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.प्र.) मो.: 9302358945

भव्य आध्यात्मिक समारोह में दिव्य मंत्रोच्चार के साथ पाली में नवनिर्मित राधा-कृष्ण धाम में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिला के पाली ब्लॉक मुख्यालय नगर पंचायत पाली के मंगल भवन के पास ख्यातिलब्ध समाजसेवी प्रशांत मिश्रा के नेतृत्व में जनसहयोग से मंगल भवन के पास राधा-कृष्ण धाम का भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है, जहां राधा-कृष्ण की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए तीन दिवसीय भव्य आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया।

प्रथम दिन भव्य रूप से विशाल कलश यात्रा निकाली गई। दूसरे दिन दिव्य मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा की गई। तीसरे दिन नवनिर्मित मंदिर में महाआरती के साथ विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया गया, जहां पर हजारों धर्मानुरागियों ने भोग प्रसाद ग्रहण किया। तीन दिन तक पाली आध्यात्मिक, अलौकिक तथा सद्भाव की पवित्र रसधारा में स्नान किया। पाली के चारों तरफ आध्यात्म की गुंज सुनाई दे रही थी, वहीं दिव्य मंत्रोच्चार से चारों तरफ सत्व का प्रकाश फैल रहा था और घंटे की नाद से प्रकृति भी राधा-कृष्ण की भक्ति का रसपान कर रही थी। बरसात में आसमान की लालिमा भी संदेश दे रही थी कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की दिव्य प्रतिमा से प्रकृति भी प्रसन्नचित हो रही है और अपनी लालिमा से आसमान भी मानो आयोजकों को आशीर्वाद दे रहा है। इस

समारोह के द्वितीय दिन हुई प्राण प्रतिष्ठा



तीन दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस 19 जुलाई को विद्वान पंडितों, आचार्यों श्री अभिनव शुक्ला, संजय कृष्णा द्विवेदी, वासुदेव पाण्डेय, कृष्णा तिवारी, विवेकानंद पंडा एवं सी डी वैष्णव सहित उपस्थित पंडितों एवं आचार्यों के श्रीमुख से दिव्य मंत्रोच्चारों की गुंज

सुनाई दे रही थी, घंटे की नाद से क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था, अलौकिक हवन पूजन से पूरा प्रकृति सत्व से नहा रही थी और मुख्य यजमान प्रशांत मिश्रा-श्रीमती अनामिका मिश्रा सहित पूजा में बैठे युगल दम्पतियों के हवन पूजन से सभी देवी-देवता पूजन स्थल में पहुंच कर मानो इस महायज्ञ को सफल बना रहे हों और भगवान राधा-कृष्ण की युगल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बन रहे हों और इस अद्भूत मूर्ति को देखने के लिए लालायित हो रहे हों।

इस दिव्य समारोह में विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कई दिग्गज और विभूतियां शामिल हुए और इस दिव्य समारोह में स्थापित मूर्तियों का दिव्य दर्शन कर अभिभूत हुए।

आषाढ़ शुक्ल पंचमी 19 जुलाई को शुभ लग्न में भगवान राधा-कृष्ण की दिव्य मूर्ति के साथ भगवान श्रीगणेश के विग्रह की भी प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। सबसे पहले विघ्न विनाशक भगवान श्रीगणेश राधा-कृष्ण धाम में पधारे और भगवान राधा-कृष्ण की युगल जोड़ी की भव्य प्रतिष्ठा के साक्षी बने। ऐसा अद्भूत और अलौकिक दृश्य से उपस्थित भक्तगण रोमांचित हुए और प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के बाद दिव्य मूर्तियों का दर्शन कर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।



भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी का तीखा हमला : विपक्ष का मकसद समाधान नहीं, बल्कि देश में भ्रम और अराजकता फैलाना था



कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई ऐतिहासिक एवं कड़े कदमों की घोषणा तथा अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक द्वारा अनशन समाप्त किए जाने के बाद कांग्रेस सहित 'इण्टी गठबंधन' के घटक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन घटनाक्रमों ने विपक्ष के असली

राजनीतिक चरित्र और उनके भारत विरोधी एजेंडे की पूरी तरह पोल खोल दी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए त्वरित और अभूतपूर्व कदम उठाने की घोषणा की है। श्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा न केवल त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन के निर्देश दिए हैं, बल्कि दोषियों को 5 से 10 साल की कड़ी सजा, कठोर जमानत शर्तों और दोषी पाए जाने पर संबंधित कोचिंग संस्थानों को बंद करने जैसे कठोर प्रावधानों वाले कानून का मसौदा तैयार करवाया जा रहा है। सरकार की इस त्वरित संवेदनशीलता और पारदर्शी नीयत के बाद केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने भी सरकार के सकारात्मक रुख पर भरोसा जताते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पूरी घटना यह दर्शाती है कि मोदी-सरकार देश के छात्रों

और युवाओं के हित में चट्टान की तरह खड़ी है। लेकिन दूसरी ओर, कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एकमात्र एजेंडा छात्रों के कंधे पर बन्दूक रखकर अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकना और देश में असंतोष की आग भड़काना था।

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि विपक्ष को कभी भी छात्रों के भविष्य या न्याय से कोई लेना-देना नहीं था। वे केवल देश में अराजकता का माहौल बनाना चाहते थे। जब सरकार ने समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़ा कानून बनाने की दिशा में काम किया, तो इण्टी गठबंधन का चेहरा पूरी तरह बेनकाब हो गया। उन्होंने कहा कि देश के युवा समझदार हैं और वे देख सकते हैं कि कौन उनके भविष्य के लिए काम कर रहा है और कौन उनके नाम पर राजनीति कर रहा है? भाजपा सरकार देश के हर होनहार छात्र के हक की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा:नवनिर्मित धाम में विराजमान हुए विग्रहर्ता श्रीगणेश, श्री राधा-कृष्ण



अद्भूत, अलौकिक और पवित्र क्षण का हजारों लोग साक्षी बने।



प्रथम दिन विशाल और भव्य कलश यात्रा निकाली गई

पाली में नवनिर्मित राधा-कृष्ण धाम में तीन दिवसीय आध्यात्मिक समारोह के प्रथम दिन 18 जुलाई को हजारों नारी शक्ति ने कलश यात्रा निकाली और कलश यात्रा के दौरान पूरा पाली भगवामय तथा राधा-कृष्ण भक्तिमय हो गया था। प्रमुख आचार्य एवं पंडितों की अगुवाई में मुख्य यजमान प्रशांत मिश्रा-श्रीमती अनामिका मिश्रा सिर में व्यासपीठ लेकर कलश यात्रा की अगुवाई कर रहे थे। दिव्यता और अलौकिक दृश्य से सभी रोमांचित हो रहे थे। कलश यात्रा नौकोनिहा तालाब से पवित्र जल लेकर शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद निकली और नवनिर्मित राधा-कृष्ण धाम परिसर कथास्थल पर पहुंची। कलश यात्रा पूर्ण होने के बाद कथास्थल में व्यासपीठ की स्थापना करने के बाद हवन-पूजन प्रारंभ हुआ और दूसरे दिन प्राण प्रतिष्ठा की गई।



कार्यक्रम के अंतिम दिन विशाल भोग भंडारा में हजारों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन आषाढ़ शुक्ल षष्ठी 20 जुलाई को भी भगवान जगन्नाथ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हवन पूजन, महाआरती का आयोजन किया गया और पूजन सम्पन्न होने के बाद परिसर में विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश भर से आए धर्मानुरागियों ने भोग प्रसाद ग्रहण कर धन्य हुए और भगवान राधा-कृष्ण धाम का दिव्य दर्शन कर पूण्य लाभ प्राप्त किया।

प्रशांत मिश्रा ने क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की और आभार जताया



मुख्य यजमान के रूप में प्रशांत मिश्रा-श्रीमती अनामिका मिश्रा ने प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के बाद अपने आराध्य देव भगवान राधा-कृष्ण और श्रीगणेश की पूजा-अर्चना की और सपत्नीक क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा और प्रदेश में अमन चैन, सद्भाव तथा विश्व में शांति के लिए कामना की।

तीन दिवसीय इस अलौकिक दिव्य समारोह की सफलता में धर्मानुरागियों की सहभागिता रही, प्रशांत मिश्रा ने सभी का आभार जताया। तीन दिवसीय समारोह को जिनका सानिध्य मिला, उन आचार्यों एवं पंडितों का भी आभार जताया, जिनकी विद्वता से यह समारोह भव्य और अलौकिक बन सका। दूर दराज से पधारे धर्मानुरागियों का भी प्रशांत मिश्रा ने हृदय से अभिनंदन किया और आभार जताया।

गोपाल मोदी के घर पहुंचे उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वरिष्ठ नेताओं संग सौहार्दपूर्ण चर्चा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के निवास पर गुरुवार को भाजपा संगठन की अनुशासन और एकजुटता देखने को मिली। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव के आगमन पर पूरा परिसर भाजपा के नारों, जयघोष और कार्यकर्ताओं के उत्साह से गुंज उठा। कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ ने स्वागत समारोह को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान कर दिया।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव के आत्मीय स्वागत के लिए जिले के कोने-कोने से भाजपा के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के निवास पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने



पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण और जोरदार नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। पूरे आयोजन के दौरान भाजपा की संगठनात्मक शक्ति और अनुशासन को स्पष्ट झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह, सह संभाग प्रभारी रायपुर डॉ. राजीव सिंह, खाद्य

आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्योति नंद दुबे, जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय, सतीश झा, नवीन अरोड़ा, अर्जुन गुप्ता, संजय राठौर, डॉ. राजेश राठौर, प्रीति स्वर्णकार, वैभव शर्मा, नीरज ठाकुर, प्रदीप सिंह, अजय चंद्रा, दीपक चावड़ा, अविनाश दुबे सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गोपाल मोदी के नेतृत्व में संगठन की मजबूती का संदेश जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के निवास पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल स्वागत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भाजपा की संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं के समर्पण और नेतृत्व के प्रति विश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन बन गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोरबा भाजपा संगठन पूरी मजबूती, एकजुटता और नई ऊर्जा के साथ जनसेवा तथा विकास के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा कार्यकर्ताओं के जोश, अनुशासन और संगठनात्मक समन्वय से पूरे कार्यक्रम में उत्साह, आत्मीयता और संगठन के प्रति समर्पण का वातावरण बना रहा।



पत्रकारवार्ता:कोरबा नगर पालिक निगम के 16 महीनों में विकास की नई उड़ान, रु.165 करोड़ की सीवरेज योजना, 40 ई-बसें और अधोसंरचना कार्यों से संवर रहा शहर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शहर के पंचवटी में महापौर श्रीमती संजु देवी राजपूत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं कैबिनेट मंत्री व कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन तथा नगर निगम कमिश्नर आशुतोष पांडेय के नेतृत्व में नगर पालिक निगम कोरबा में चहुंमुखी विकास कार्यों की झड़ी लगी हुई है। नई सरकार के 16 माह के सफल कार्यकाल के दौरान शहर की मूलभूत सुविधाओं जैसे—सड़क, नाली, पानी और बिजली के क्षेत्रों में व्यापक प्रगति हुई है। इस विकास यात्रा की मुख्य उपलब्धियों एवं आगामी योजनाओं का विवरण महापौर श्रीमती संजुदेवी राजपूत ने बताया।

विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड

इस अवधि में कुल 76 विकास कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं।

प्रगतितर कार्यों: वर्तमान में 149 कार्य धरातल पर तेजी से चल रहे हैं।

आगामी कार्य: कुल 209 विकास कार्य बेहद शीघ्र प्रारंभ होने जा रहे हैं।

सड़क डामरीकरण: कोसाबाड़ी से घंटाघर और घंटाघर से CSEB चौक होते हुए सुनालिया पावर हाउस रोड तक रु.22 करोड़ की लागत से डामरीकरण का टेंडर हो चुका है, जिसका कार्य बरसात के ठीक बाद शुरू होगा।

कीर्तिमान: कोरबा ने देश की स्वच्छता रैंकिंग में 8वां स्थान हासिल कर एक बड़ा गौरव अर्जित किया है।

कचरा डंपिंग पॉइंट का खात्मा: शहर के पुराने कचरा डंपिंग पॉइंट्स को समाप्त कर वहां सुंदर ‘स्मॉल गार्डन्स’ विकसित किए गए हैं।

संसाधनों का अपग्रेडेशन: डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए बेड़े में 80 इलेक्ट्रॉनिक रिक्शा और 2 अत्याधुनिक मोबाइल टॉयलेट शामिल किए गए हैं। साथ ही 55,000 मकानों में डस्टबिन वितरण प्रस्तावित है।

बायो-गैस प्रोजेक्ट: गीले कचरे से बायो-गैस बनाने के लिए छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल और गेल इंडिया के बीच MoU संपन्न हो चुका है।

SLRM सेंटरस: शहर के सभी 16 SLRM सेंटरस का लगभग रु.8 करोड़ की लागत से उन्नयन कार्य जारी है।

जल संरक्षण एवं पर्यावरण सुधार (रु.165 करोड़ का एसटीपी)

हसदेव नदी का संरक्षण: शहर के 11 बड़े नालों के गंदे पानी को हसदेव नदी में मिलाने से रोकने के लिए रु.165 करोड़ की लागत

स्वच्छता में देश में 8वां स्थान और कचरा प्रबंधन

परिवहन और आधुनिक सुविधाएं (40 ई-बसें)

महापौर के डेढ़ साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश

नगर पालिका निगम कोरबा के डेढ़ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर महापौर संजु देवी राजपूत ने पत्रकार वार्ता में अपने कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी 67 वार्डों में सड़क, नाली, पानी, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास पर लगातार काम किया गया। इस दौरान 537 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए गए। 434 नए विकास कार्यों को स्वीकृति मिली, जिनमें 76 पूरे हो चुके हैं, 149 निर्माणाधीन हैं और 209 कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।

महापौर ने कहा कि कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना रही। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत किया गया, बड़े होटल और शादीघरों के कचरा प्रबंधन के लिए सख्ती बरती गई तथा सफाई व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए गए। 16 एसएलआरएम केंद्रों का आठ करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन किया जा रहा है। वर्तमान में 10 किलोमीटर सड़कों की सफाई रोड स्वीपिंग मशीन से हो रही है और 12 किलोमीटर अतिरिक्त सड़कों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कोरबा ने देश के स्वच्छ शहरों में आठवां स्थान हासिल किया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण, रंग-रोगन और प्रतीक चिन्हों की स्थापना भी कराई गई।

छोटे व्यापारियों को किया जा रहा व्यवस्थित—व्यापारिक और यातायात व्यवस्था में सुधार को लेकर उन्होंने कहा कि बुधवारी बाजार, कोसाबाड़ी डेली मार्केट और घंटाघर क्षेत्र की वर्षों पुरानी अव्यवस्था को दूर किया गया। चौपाटी को व्यवस्थित फूड जोन के रूप में विकसित किया गया, जिससे सड़क किनारे लगने वाले ठेलों का बेहतर प्रबंधन हुआ और जाम की समस्या कम हुई। फुट ओवरब्रिज का उपयोग बढ़ा है तथा छोटे व्यापारियों के लिए दुकानें बनाकर आवंटित की गई हैं। कोसाबाड़ी में सब्जी विक्रेताओं के लिए भी व्यवस्थित व्यवस्था बनाई गई है। मल्टीलेवल पार्किंग परिसर के पास फ्रूट जोन विकसित कर फल विक्रेताओं को भी एक स्थान पर व्यवस्थित करने की योजना है।

211 करोड़ की लागत से नया ट्रीटमेंट प्लांट—महापौर ने बताया कि शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कई बड़ी परियोजनाएं शुरू की गई हैं। 211 करोड़ रुपये की लागत से 20 एमएलडी क्षमता का टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा, जबकि 33 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माणाधीन है, जिससे गंदे पानी को हसदेव नदी में जाने से रोका जा सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दादर खुर्द में तैयार आवासों का 22 जुलाई को आवंटन होगा। लंबे समय से बंद पड़े मल्टीलेवल पार्किंग भवन को भी उपयोग में लाया जाएगा, जहां पार्किंग के साथ 40 से अधिक दुकानों का आबंटन किया जाएगा।

5000 नई स्ट्रीट लाइट—महापौर ने कहा कि शहर में 5000 नई स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य चल रहा है तथा प्रमुख चौकों पर हाईमास्ट लाइट स्थापित की जाएंगी। सुनालिया ओवरब्रिज से अप्रसेन चौक तक सड़क एवं पुल निर्माण, सर्वमंगला पुल से दर्रा बांध तक फोरलेन सड़क तथा आईटीआई चौक से बालको के चेकपोस्ट तक गौरव पथ निर्माण जैसी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। ट्रेफिक सिग्नल वाले प्रमुख स्थलों पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए वेंटिंग शेड बनाए जाएंगे, जिसकी शुरुआत सीएसईबी चौक से हो चुकी है।

महापौर की पाती से समस्या का निराकरण—महापौर ने बताया कि ‘महापौर की पाती’ और ‘कनेक्ट टू कमिश्नर’ जैसी पहल से नागरिकों की शिकायतों का 24 घंटे के भीतर निराकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला खनिज न्यास मद से हॉकी स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम, बॉक्स क्रिकेट मैदान और सिंथेटिक रनिंग ट्रेक के निर्माण की योजना है। शहर के गीले कचरे से बायोगैस बनाने की परियोजना, ‘मिशन वरुण’ के माध्यम से जलकर वस्ती, राइफल शूटिंग रेंज एवं अकादमी की स्थापना, मुख्य मार्गों पर ग्रीन कॉरिडोर का विकास, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में लक्ष्य से अधिक 4027 आवासों की स्वीकृति तथा 80 ई-रिक्शा उपलब्ध कराकर स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने जैसे कार्य भी किए गए हैं। स्वच्छता शपथ अभियान के तहत 20 मिनट में 15,500 से अधिक लोगों के हस्ताक्षर लेकर कोरबा ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान दर्ज कराया।



से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का निर्माण प्रगति पर है। इसे अगस्त 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

स्थायी आय का स्रोत: एसटीपी से उपचारित जल को एनटीपीसी को रु.7.50 प्रति किलोलिटर की दर से बेचा जाएगा, जिससे निगम को स्थाई आय होगी।

नया जल उपचार संयंत्र: जिला खनिज न्यास (DMFT) मद से रु.32 करोड़ की लागत से 20 MLD क्षमता के नए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है, जिससे करीब 58,000 की आबादी को पर्याप्त पेयजल मिलेगा।

पीएम ई-बस सेवा: केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत कोरबा शहर को 40 ई-बसों की मंजूरी मिली है, जिससे नागरिकों को जल्द ही सस्ता और सुगम परिवहन मिलेगा।

ट्रेफिक सिग्नल वेंटिंग शेड: प्रमुख चौराहों पर वाहन चालकों की सुविधा के लिए वेंटिंग शेड बनाए जा रहे हैं, जिसकी शुरुआत CSEB चौक से हो चुकी है।

खेल और संस्कृति को बढ़ावा

राइफल शूटिंग एकेडमी: कोरबा में पहली बार कोरबा राइफल शूटिंग एकेडमी की स्थापना कर 10 मीटर इनडोर तथा 25 व 50 मीटर आउटडोर शूटिंग रेंज उपलब्ध कराई गई है।



मन की सुरक्षा से ही संभव है सुरक्षित खदान : एसईसीएल में ‘माइन सेफ्टी एंड माइंड सेफ्टी’ कार्यक्रम का सफल आयोजन

माइंड सेफ्टी ही माइन सेफ्टी की सबसे मजबूत नींव है – बी.के. पीयूष

बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर में ‘सुरक्षित मन, सुरक्षित खदान’ विषय पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अभियान ‘पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन’ के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में कर्मचारियों के मानसिक सशक्तिकरण, सकारात्मक कार्य संस्कृति तथा सुरक्षित कार्यस्थल के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

इस अवसर पर कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास एवं कार्यस्थल पर उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ‘एसईसीएल – इनर एक्सीलेंस सीरीज’ का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एसईसीएल एवं ब्रह्माकुमारीज के साईंटेस्ट्स, इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट्स विंग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन रहे। मुख्य वक्ता के रूप में ब्रह्माकुमारीज के

स्वयं को बेहतर बनाइए, राष्ट्र निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दीजिए-हरीश दुहन



साईंटेस्ट्स, इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट्स विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बी.के. पीयूष भाई उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) एन. प्रो.कलिन जयकुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) रमेश चन्द्र महापात्र, ब्रह्माकुमारीज से बीके मंजु दीदी सहित मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता बी.के. पीयूष ने कहा कि ‘माइंड सेफ्टी ही माइन सेफ्टी की सबसे मजबूत नींव है।’ उन्होंने कहा कि किसी भी खदान की वास्तविक सुरक्षा केवल आधुनिक तकनीक और मशीनों से नहीं, बल्कि वहां कार्य करने वाले प्रत्येक कर्मचारी के संतुलित एवं सकारात्मक मन से सुनिश्चित होती है। उन्होंने सकारात्मक सोच, वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करने, स्मार्ट वर्क, सौ प्रतिशत समर्पण तथा नियमित मेडिटेशन को सुरक्षित एवं उत्पादक कार्य संस्कृति का आधार बताया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा, ‘स्वयं को बेहतर बनाइए, राष्ट्र निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दीजिए’। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को प्रतिदिन स्वयं को खबर मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बलराम विश्वकर्मा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए इस महत्वपूर्ण दायित्व का वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा भाजपा की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

फास्ट ई-चार्जिंग स्टेशंस: NCAP मद से घंटाघर (स्मृति उद्यान के पास) और सुनालिया चौक के आगे मल्टीलेवल पार्किंग में अत्याधुनिक ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जहां वाहन मात्र 30 मिनट में फुल चार्ज हो सकेंगे।

बुधवारी बाजार में बनेगा मल्टी कामर्शियल काम्पलेक्स

पत्रकार वार्ता के दौरान आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि बुधवारी बाजार को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा और नीचे बुधवारी बाजार में संचालित होगा और ऊपर में मल्टीलेवल कामर्शियल काम्पलेक्स बनाने का कार्य प्रस्तावित है। एमआईसी और सामान्य सभा में प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन सर्वसम्मति नहीं बन पाई, लेकिन यह कार्य महत्वपूर्ण है और सर्वसम्मति बने, इसके लिए प्रयास जारी है।

उन्होंने कहा कि सीएसईबी चौक में वाई शेप ओवरब्रिज के लिए कलेक्टर साहब गंभीर हैं और इसकी प्रक्रिया तेज कर दी गई है और पीडब्ल्यूडी को 05 करोड़ जारी भी कर दिया गया है, शीघ्र ही टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि कोरबा में यातायात व्यवस्था बेहतर हो, इसके लिए कलेक्टर साहब गंभीर हैं और ट्रांसपोर्ट नगर चौक में भी यातायात की व्यवस्था बेहतर हो, इसके लिए प्रयास नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के समन्वय से आगे कार्यवाही की जाएगी।

ट्रांसपोर्ट नगर को शहर से बाहर ले जाने के लिए कलेक्टर साहब भी संवेदनशील हैं और आगे आने वाले दिनों में बड़ी गाड़ियां शहर में नहीं घुसेंगी, शहर की सड़कें सिर्फ शहरवासियों के लिए होंगी।

शहर की सड़कों के किनारे बेजाकब्जा कर बनाई गई गुमटियां, फल दुकानें, ठेले को क्रमशः व्यवस्थित की जा रही हैं और किसी गरीब की रोजी-रोटी छीनने से पहले उन्हें व्यवस्थित किया जा रहा है। कोसाबाड़ी में वेंडिंग जोन बन गया है, आगे इस तरह की योजना तैयार कर गरीबों को उसमें व्यवस्थित किया जाएगा।

निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए ‘महापौर की पाती’ जैसी अभिनव योजनाएं भी संचालित हैं।

रायपुर में हुई घोषणा

प्रदेश झेरिया यादव समाज की कमान अब सैलाना यादव के हाथों में



कोरबा (दिव्य आकाश)।

झेरिया यादव समाज के संगठनात्मक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। रायपुर में आयोजित समाज के कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष जगनिक यादव ने सैलाना-बाबूलाल यादव को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में झेरिया यादव समाज का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की। घोषणा होते ही सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और उपस्थित समाजजनों ने पुष्पमालाओं से उनका भव्य स्वागत किया।

दीपका जिला कोरबा निवासी सैलाना-बाबूलाल यादव की प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति की सूचना मिलते ही पूरे कोरबा जिले सहित प्रदेशभर के समाजजनों में उत्साह का माहौल बन गया। उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का ताँता लग गया। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, युवाओं एवं महिलाओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में झेरिया यादव समाज नई ऊर्जा, नई

सोच और मजबूत संगठन के साथ आगे बढ़ेगा। इनके पिता रोहित कुमार यादव लवसरा सकती में शिक्षक तथा पति एस ई सी एल में कर्मचारी रहें हैं। समाजजनों ने कहा कि सैलाना-बाबूलाल यादव लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं तथा समाज की एकता, शिक्षा, युवा नेतृत्व और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं। उनकी सक्रियता, संगठन क्षमता एवं समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। समाज के वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सैलाना-बाबूलाल यादव समाज को नई दिशा देंगे, समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे तथा संगठन को प्रदेश के प्रत्येक जिले तक और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे। इस ऐतिहासिक नियुक्ति पर कोरबा सहित प्रदेशभर के समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सैलाना-बाबूलाल यादव को उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

बालको ने विश्व युवा कौशल दिवस पर मनाया वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों का सफर

15 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने के ऐतिहासिक पड़ाव की ओर वेदांता स्किल स्कूल

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। आयोजित कार्यक्रम में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने की उपलब्धियों को साझा किया गया। इस वर्ष विश्व युवा कौशल दिवस की थीम 'साझा भविष्य के लिए कौशल' है। कार्यक्रम में बालको के वरिष्ठ अधिकारी, समुदाय के प्रतिनिधि, पूर्व प्रशिक्षु, वर्तमान प्रशिक्षु और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में स्किल स्कूल द्वारा सप्ताह भर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाद-विवाद, कविता लेखन, पोस्टर मेकिंग, इंडोर खेल और एआई वीडियो निर्माण जैसी कार्यों के माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मकता, तार्किक सोच, संवाद क्षमता और डिजिटल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर वेल्डर और मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त 40 से अधिक युवाओं को प्लेसमेंट प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वहीं इस अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल में पीएम सूर्य घर सर्टिफिकेशन एंड स्किल अपग्रेडेशन कोर्स फॉर सोलर पीवी टेक्नीशियन की शुरुआत की गई। कार्यक्रम



प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया 15 वर्ष की यात्रा का जीवंत संदेश

समारोह में प्रशिक्षुओं ने पारंपरिक लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति की झलक पेश की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वेदांता स्किल स्कूल के एक पूर्व प्रशिक्षु की वास्तविक जीवन यात्रा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति रही। प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस प्रकार कौशल प्रशिक्षण ने एक युवा के जीवन को नई दिशा देते हुए उसके लिए रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर तैयार किए। प्रशिक्षुओं के सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पूर्व प्रशिक्षुओं की सफलता की कहानियों और तकनीकी कौशल प्रदर्शन के साथ आयोजित समारोह ने कौशल विकास के 15 वर्षों की यात्रा को यादगार बनाया।

के तहत 100 सोलर पीवी टेक्नीशियन को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को एक सप्ताह का कौशल उन्नयन एवं प्रमाणन प्रशिक्षण के दौरान 3,500 रुपये का भत्ता भी

वेदांता स्किल स्कूल युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए कर रहा तैयार-सीईओ राजेश सिंह



बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, 'पिछले 15 वर्षों से वेदांता स्किल स्कूल युवाओं को रोजगार से जुड़े कौशल सिखाकर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। हमारा उद्देश्य युवाओं को ऐसा प्रशिक्षण देना है, जिससे वे बदलती उद्योगों की जरूरतों के अनुसार अपने कौशल को विकसित कर सकें। व्यावहारिक प्रशिक्षण और आत्मविश्वास के साथ युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं और उनके लिए रोजगार व आजीविका के नए अवसर खुल रहे हैं। इसी प्रयास के माध्यम से हम समुदायों की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य में अपना योगदान दे रहे हैं।'

प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2010 में स्थापित वेदांता स्किल स्कूल पिछले 15 वर्षों से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास के

माध्यम से रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान कर रहा है। अब तक 14 हजार से अधिक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और इस वर्ष स्कूल 15 हजार युवाओं के प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल करने की ओर अग्रसर है। यहां वेल्डिंग, इलेक्ट्रिकल, फिटर, सिलाई मशीन संचालन, फूड एंड बेवरेज सर्विस तथा सोलर पीवी इंस्टॉलेशन जैसे रोजगारपरक ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाता है। एनएसडीसी से मान्यता प्राप्त 5-स्टार स्मार्ट सेंटर युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान कर रहा है। बालको अपने कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।



महिला कर्मचारियों ने संभाली बालको की 24x7 सुरक्षा की कमान

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

कभी सुरक्षा को केवल शारीरिक शक्ति से जोड़कर देखा जाता था और महिलाओं की सुरक्षा की आवश्यकता वाले वर्ग के रूप में माना जाता था। लेकिन समय के साथ यह सोच बदल रही है। आज महिलाएं केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि औद्योगिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। यही बदलाव बालको के सेंट्रल सिक्स्योरिटी ऑपरेशन सेंटर (सीएसओसी) में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिसे अब पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित शी-एसओसी (सिक्स्योरिटी हार्मनी एंड एक्सीलेंस) के रूप में विकसित किया गया है। यह रूढ़िवादी धारणाओं से आगे बढ़कर एक ऐसी आधुनिक सुरक्षा संस्कृति को दर्शाती है, जिसमें शारीरिक शक्ति से अधिक योग्यता, सतर्कता, तकनीकी दक्षता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को महत्व दिया जाता है। बालको का सीएसओसी कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य नियंत्रण केंद्र है। यह केंद्र दिन-रात, पूरे सप्ताह लगातार संचालित रहता है। संयंत्र परिसर में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, सुरक्षा अलर्ट का विश्लेषण, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित समन्वय, सुरक्षा टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश देना और महत्वपूर्ण निर्णयों में सहयोग जैसी सभी जिम्मेदारियां अब महिलाओं की टीम निभा रही है। यह केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं,

बल्कि महिलाओं की क्षमता, नेतृत्व और पेशेवर दक्षता पर संगठन के विश्वास का प्रतीक है। औद्योगिक सुरक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे वातावरण में धैर्य, बारीकियों पर ध्यान, तार्किक सोच और बेहतर संवाद कौशल जैसी विशेषताएं बेहद महत्वपूर्ण हो जाती हैं। महिलाओं की भागीदारी इन सभी पहलुओं को और मजबूत बनाती है तथा सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और संतुलित बनाती है। शी-एसओसी की प्रभारी वर्षा द्विवेदी बताती हैं कि बालको ने उन्हें सुरक्षा संचालन का नेतृत्व करने का अवसर और विश्वास दिया है। आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों, नवीन तकनीकों और नियमित प्रशिक्षण के कारण उनका आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उनके अनुसार, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने से निर्णय लेने की क्षमता मजबूत हुई है और संगठन की महिला सशक्तिकरण की सोच ने उन्हें नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया है। उनका कहना है कि महिलाएं भी सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व कर सकती हैं। रेखा श्रीवास्तव का मानना है कि अब समय आ गया है कि सुरक्षा क्षेत्र में महिलाओं को लेकर बनी पुरानी धारणाओं को बदला जाए। उनके अनुसार, सुरक्षा केवल शारीरिक शक्ति का विषय नहीं है। इसमें सतर्कता, अनुशासन, ईमानदारी, प्रभावी संवाद और सही समय पर सही निर्णय लेने की

क्षमता सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। महिलाओं ने अपने कौशल, प्रशिक्षण और समर्पण के माध्यम से बार-बार यह सिद्ध किया है कि किसी भी जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता लिंग नहीं, बल्कि योग्यता और मेहनत से तय होती है। पूजा टंडन का कहना है कि इस क्षेत्र में हर दिन नई चुनौतियां सामने आती हैं, जो कुछ नया सीखने और बेहतर बनने का अवसर देती हैं। सीएसओसी में तकनीक और सुरक्षा संचालन के साथ काम करने का अनुभव उनके पेशेवर जीवन को और अधिक समृद्ध बना रहा है। उनके अनुसार, जब किसी आपात स्थिति में सही समय पर लिया गया निर्णय किसी बड़े जोखिम को टाल देता है, तब अपने कार्य की वास्तविक सार्थकता का एहसास होता है। बालको का शी-एसओसी इस बात का सशक्त उदाहरण है कि विविधता, समान अवसर और योग्यता पर आधारित कार्य संस्कृति किसी भी संगठन को अधिक सक्षम बनाती है। महिलाओं के नेतृत्व में संचालित यह सुरक्षा नियंत्रण केंद्र न केवल उनकी क्षमता और नेतृत्व कौशल को नई पहचान देता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि सही अवसर, प्रशिक्षण और विश्वास मिलने पर महिलाएं किसी भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को सफलता के साथ निभा सकती हैं। आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की यह भागीदारी बदलती सोच, समावेशी कार्य संस्कृति और सशक्त नेतृत्व का प्रेरक उदाहरण है।

बिहार की मिट्टी का कर्ज चुकाने का मौका-अनिल अग्रवाल

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बिहार सरकार के साथ नंदघर खोलने किया बड़ा समझौता

बालकोनगर/नई दिल्ली (दिव्य आकाश)।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बिहार के विकास के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उनके संगठन 'अनिल अग्रवाल फाउंडेशन' ने बिहार सरकार के साथ मिलकर एक खास समझौते (MoU) पर साइन किए हैं। इस समझौते के तहत पूरे बिहार में 'नंद घर' (आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र) खोले जाएंगे, जो बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के विकास पर काम करेंगे। इसकी जानकारी खुद अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट शेयर करके दी।

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में लिखा कि बिहार से उनका रिश्ता सिर्फ जन्म का नहीं है, बल्कि वहां से मिले अच्छे संस्कारों का भी है। उन्होंने कहा, 'मैंने बिहार में ही सपने देखना और मेहनत करना सीखा। आज मैं जो कुछ भी हूँ, उसमें बिहार की मिट्टी का बहुत बड़ा योगदान है। इसलिए इस धरती के लिए कुछ करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।'

सीएम सम्राट का किया धन्यवाद

इस ऐतिहासिक शुरुआत के लिए अनिल अग्रवाल ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सभी सरकारी अधिकारियों का दिल से धन्यवाद किया है। उन्होंने अपील की है कि इस 'नंद घर आंदोलन' को बिहार के कोने-कोने तक पहुंचाया जाए।

क्या है 'नंद घर' योजना ?

उद्योगपति एवं समाजसेवी अनिल अग्रवाल का मानना है कि 6 साल की उम्र तक बच्चों को मिलने वाली शिक्षा और संस्कार ही उनकी जिंदगी की नींव बनते हैं। नंदघरों के जरिए बिहार के बच्चों को अच्छी पढ़ाई, बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। इस योजना के तहत बिहार की महिलाओं को हुनर सिखाया जाएगा। इससे महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने साफ किया कि नंद घर तो सिर्फ एक शुरुआत है। इसके बाद उनका अगला सबसे बड़ा लक्ष्य बिहार में उद्योगों का विकास करना है।

वेदांता का नंदघर 18 राज्यों में हो रहा संचालित

वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा संचालित प्रमुख सामाजिक पहल 'नंद घर' ने भारत के 18 राज्यों के 76 जिलों में 15,000 केंद्रों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी भागीदारी

(PPP) में से एक के रूप में चलाया जा रहा है, जो पारंपरिक आंगनवाड़ियों का आधुनिकीकरण करता है। हाल ही में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार जैसे राज्य भी शामिल हुए हैं। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के 5 लाख से अधिक बच्चों और 4 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिल रहा है।

